टीकमगढ़

नवभारत

भोपाल, शनिवार , 02 मई 2026

एक नजर में

श्रम विभाग द्वारा संस्थानों के लिए पहल

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

श्रम विभाग मध्यप्रदेश शासन राज्य के श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से श्रम विभाग मध्यप्रदेश द्वारा श्रम सेवा पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत कारखानों, दुकानों एवं अन्य वाणिज्यिक संस्थानों हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण पहल की गई है।

इसीक्रम में विभाग द्वारा लागू किया गया है। यह एक स्व-मूल्यांकन आधारित, निष्पक्ष एवं स्वचालित प्रणाली है, जिसके माध्यम से संस्थानों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर उनके श्रम कानूनों के अनुपालन स्तर का मूल्यांकन कर उन्हें स्टार रेटिंग प्रदान की जाती है।इस प्रणाली के माध्यम से श्रम कानूनों के प्रभावी पालन को प्रोत्साहन मिल रहा है तथा अनुपालन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं सरल बनाया गया है।इसके परिणामस्वरूप कार्य-संस्कृति में सुधार, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार तथा संस्थानों के मध्य सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिला है।श्रम विभाग द्वारा सभी संबंधित संस्थानों एवं कारखानों से अपील की जाती है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस सुविधा का लाभ उठाते हुए का उपयोग करें तथा अपने संस्थानों में श्रम कानूनों के अनुपालन को सुदृढ़ बनाएं।

प्रशासनिक अमले ने कराई शहर के पेड़ों की छंटाई

आंधी-तूफान के दूसरे दिन हुई बिजली आपूर्ति शुरू

विद्युत बाधित होने के कारण नलों में नहीं आया पानी

नवभारत न्यूज,टीकमगढ़।

तेज आंधी-तूफान, बारिश और ओलावृष्टि से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कई इलाकों में 15 घंटे से अधिक समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आंधी-तूफान के कारण शहर में 500 से अधिक पेड़ गिर गए। कई क्षेत्रों में 8 से 10 घंटे तक बिजली गुल रही, जबकि कुछ इलाकों में वोल्टेज की समस्या बनी रही। बरीघाट फिल्टर प्लांट की विद्युत आपूर्ति बाधित होने से शुक्रवार को शहर में नलों से पानी नहीं आया।

बीते 24 घंटे के दौरान टीकमगढ़ तहसील में 32 मिलीमीटर एक इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई। मौसम में बदलाव के कारण दिन और रात के तापमान में भी गिरावट आई। बुधवार को अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री था, जो गुरुवार को घटकर अधिकतम 40 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री हो गया। आंधी-तूफान थमने के बाद कलेक्टर विवेक श्रोतिया ने शहर का निरीक्षण किया। नगर पालिका सीएमओ ने अपनी टीम के साथ जेसीबी मशीनों की मदद से सड़कों पर गिरे पेड़ों को हटाने का काम शुरू किया। नगर पालिका और विद्युत विभाग के कर्मचारी पिछले 12 घंटे से राहत कार्यों में जुटे हैं। शहर में आंधी-तूफान के बाद पूरी तरह बिजली गुल हो गई थी। रात करीब 11 बजे कुछ हिस्सों में बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी, लेकिन कई इलाकों में रात भर से बिजली बंद रही। पुलिस लाइन के पीछे वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। शहर इंचार्ज नितिन बाथम ने बताया कि एक फेज नहीं आ रहा है और सुधार कार्य जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतनी तेज आंधी-तूफान नहीं देखा।

शक्रवार सुबह से मौसम साफ है और धूप निकल आई है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले हफ्ते तक अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे और न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। सोमवार को एक बार फिर गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है।मौसम में अचानक बदलाव आया। तेज आंधी-तूफान के साथ जोरदार बारिश शुरू हो गई, जिससे शहर के कई हिस्सों में बेर के आकार के ओले भी गिरे। इस मौसमी बदलाव से जनजीवन प्रभावित हुआ। तेज आंधी और बारिश के कारण एसपी दफ्तर के मुख्य गेट पर लगा एक पुराना पेड़ गिर गया।

बारिश में भीगा किसानों का गेहूं

आंधी-तूफान के कारण शहर में गुरूवार को हुई बारिश के दौरान दोपहर में कई व्यापारी खुले में गेहूं तौल रहे थे, लेकिन आंधी-तूफान और बारिश इतनी तेज थी कि उन्हें गेहूं हटाने का मौका नहीं मिला, जिससे खुले में रखा गेहूं भीग गया।इसी तरह, कृषि उपज मंडी और खरीदी केंद्रों में किसानों का खुला रखा गेहूं और अन्य अनाज भी बारिश की भेंट चढ़ गया। तेज आंधी-तूफान के कारण शहर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई।इसके अलावा, तेज हवा के चलते हवेली रोड स्थित एक विवाह गार्डन की दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई। खराब मौसम के कारण शहर में कई लोगों को काफी नुकसान पहुंचा है।

तापमान में कमी आने की संभावना

चार डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है। भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मंगलवार को अधिकतम तापमान घटकर 42.5 डिग्री और बुधवार को 42.6 डिग्री रहा। रात का तापमान मंगलवार को 25 .02 डिग्री और बुधवार रात 24.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। आज अधिकतम तापमान 36 से 37 डिग्री और रात का तापमान 22 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

बेटियों के विवाह के लिए संगठन ने की मदद

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

निर्धन परिवारों की बेटियों के विवाह में मदद के लिए दो महिला संगठन आगे आए हैं। राष्ट्रीय परशुराम मातृशक्ति संगठन ने एक बेटी के विवाह में आर्थिक सहायता और गृहस्थी का सामान भेंट किया, जबकि राष्ट्रीय ब्राह्मण महिला संगठन ने दो अन्य बेटियों के विवाह के लिए गृहस्थी का सामान प्रदान किया।

राष्ट्रीय परशुराम मातृशक्ति संगठन की सदस्य नीतू द्विवेदी ने बताया कि एक आर्थिक रूप से कमजोर बेटी की मां ने विवाह के लिए मदद मांगी थी। संगठन की महिलाओं ने इस पर चर्चा की और बुधवार रात बेटी के विवाह में पहुंचकर आर्थिक मदद के साथ गृहस्थी और सुहाग का सामान भेंट किया।वहीं, राष्ट्रीय ब्राह्मण महिला संगठन की ओर से शिवानी खेवरिया ने जानकारी दी कि दो बेटियों के परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण संगठन की महिलाओं ने उनकी मदद का बीड़ा उठाया। संगठन ने मिलकर दोनों बेटियों को विवाह के लिए आवश्यक सामान भेंट किया। इस अवसर पर सभी महिलाएं अपनी ओर से भी उपहार लेकर पहुंची थीं।इस मौके पर राष्ट्रीय ब्राह्मण महिला संगठन की सदस्य शिवानी खेवरिया, रजनी रावत, कल्पना शर्मा, ऊषा दीक्षित, गीता मिश्रा, शशि शुक्ला, रामकुमारी द्विवेदी, नीरज द्विवेदी और रेखा शर्मा मौजूद रहीं। राष्ट्रीय परशुराम मातृशक्ति संगठन की ओर से नीरज द्विवेदी, मधु मिश्रा, प्रीति उपाध्याय, रिचा शर्मा, हेमा रानी द्विवेदी, मालती तिवारी, सौरभ शर्मा, राघवेंद्र तिवारी, बंटी तिवारी और रुद्र पुरोहित शामिल रहे।

लंबित मांगों को लेकर पटवारी संघ लामबंद, सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

पटवारी संघ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर विरोध जताया। बल्देवगढ़ तहसील में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपने पहुंचे संघ के पदाधिकारियों ने अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया।

पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष चंद्रभान समारी ने बताया कि कई बार ज्ञापन देने के बावजूद मांगें पूरी नहीं हुईं। इसी नाराजगी में उन्होंने तहसीलदार अनिल गुप्ता के सामने नाक रगड़कर विरोध दर्ज कराया और समस्याओं के समाधान की मांग की।संघ का कहना है कि जिले में पटवारियों के 10, 20, 30 और 35 साल के समयमान वेतनमान लंबित हैं। इसके अलावा पुराने महंगाई भत्ते (डीए) का एरियर भी कई जगहों पर नहीं मिला है, जिसे जारी करने की मांग की गई है। संघ ने यह भी बताया कि नए पटवारियों की संविदा अवधि खत्म होने के बाद भी उनका नियमितीकरण नहीं किया गया है।

इसे तय समय सीमा में पूरा करने की मांग की गई है। चंद्रभान समारी ने कहा कि इन मांगों को लेकर पहले कलेक्टर को भी ज्ञापन दिया गया था।

कलेक्टर द्वारा एसडीएम और तहसीलदारों को सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ। पटवारी संघ ने कहा कि अब जिले की सभी तहसीलों में जाकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। साथ ही, जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक इसी तरह विरोध जारी रहेगा। पटवारी संघ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर विरोध जताया।

श्रमिकों का पंजीयन अनिवार्य

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

20 से अधिक श्रमिकों वाली संस्थाओं का ईपीएफओ में पंजीकृत होना अनिवार्य जिले में ऐसे संस्थानों जहां श्रमिकों की संख्या 20 या उससे अधिक है को ईपीएफ ओ में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

साथ ही ईपीएफ ओ में पंजीकृत संस्थानों को श्रम सेवा पोर्टल पर पंजीकृत होना भी आवश्यक है। पंजीयन की सुविधा उक्त श्रम पोर्टल पर जी2जी लॉन इन के माध्यम से निःशुल्क आवेदक संस्थानों को उपलब्ध कराई गई है।

टूरिज्म बोर्ड के एमडी से मुलाकत कर रखीं ओरछा की मांगें

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ओरछा में बढ़ती पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए भाजपा नेता विकास यादव ने मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के एमडी डॉ इलैयाराजा टी से भोपाल में मुलाकात कर उन्हें एक चार सूत्रीय मांग पत्र सौपा है।

मांग पत्र में यादव ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा विश्व प्रसिद्ध धार्मिक व पर्यटन नगरी ओरछा जिला निवाड़ी के विकास एवं सौंदर्यकरण के कार्य निरन्तर जारी हैं जिसमें कुछ अन्य विकास कार्य हेतु निम्न बिंदु सम्मिलित करना आवश्यक है जैसे कि झाँसी-खजुराहो फोनलेन स्थित ओरछा तिराहा एवं टीकमगढ़-ओरछा मार्ग पर वेतवा नदी के पुल के पास जयपुरी लाल पत्थर से दो भव्य स्वागत द्वारों का निर्माण कराया जाये। ओरछा तिराहे से बेतवा नदी के पुल तक मार्ग के दोनों ओर सुन्दर इलैक्ट्रिक पोल लगवाने तथा पूरी नगरी में 5-6 प्रमुख स्थानों पर बड़ी एलईडी लगवाई जाये जिसके माध्यम से श्री रामराजा सरकार की आरती, दर्शन एवं ऐतिहासिक महत्व की जानकारी लगातार प्रसारित होती रहे।

हितग्राहियों के खातों में आई राशि

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के 33 लाख से अधिक हितग्राहियों को माह मार्च पेड इन अप्रैल 2026 की कुल राशि 200.71 करोड़ का हितलाभ सिंगल क्लिक के माध्यम से किया गया। इस दौरान जिले के 30000 वृद्धावस्था, कल्याणी, दिव्यांगता पेंशन हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के माध्यम से मार्च माह पेड इन अप्रैल की पेंशन का भुगतान किया गया।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट एनआईसी कक्ष में देखा एवं सुना गया। कलेक्टर उप संचालक सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग सौरभ तिवारी, जनपद पंचायत सीईओ सहित संबंधित अधिकारी तथा हितग्राही उपस्थित रहे। वृद्धावस्था पेंशन, कल्याणी पेंशन तथा दिव्यांगता पेंशन का प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

सागर से आए कमिश्नर ने उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

गेहूं उपार्जन केंद्रों पर किसानों को अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि बारिश के कारण गेहूं की चमक फीकी पड़ने का हवाला देकर किसानों का अनाज वापस लौटाया जा रहा है।

शुक्रवार को नीमखेरा केंद्र पर किसानों ने कर्मचारियों पर मनमानी और प्रति क्विंटल 60 रुपए की अवैध मांग करने के गंभीर आरोप लगाए हैं।नीमखेरा केंद्र पर पहुंचे किसान दीपक यादव ने बताया कि वे पंजीयन के बाद पिछले तीन दिनों से गेहूं तुलाने के लिए चक्कर काट रहे थे, लेकिन गुणवत्ता खराब बताकर उनका अनाज नहीं लिया गया।अंततः उन्हें अपना गेहूं वापस घर ले जाना पड़ा। किसानों का आरोप है कि खरीदी शुरू हुए 15 दिन बीत जाने के बाद भी इस केंद्र पर अब तक केवल 50-60 बोरा गेहूं ही खरीदा गया है।गुरुवार को सागर संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी ने नीमखेरा सोसायटी स्थित उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर बड़ी मात्रा में गेहूं खुले में रखे होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कमिश्नर ने कलेक्टर विवेक श्रोतिय की उपस्थिति में तौल व्यवस्था और भुगतान प्रक्रिया की जानकारी ली और किसानों से सीधा संवाद किया। कमिश्नर ने मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए खुले में रखे अनाज का तत्काल परिवहन कर सुरक्षित गोदामों में भिजवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी हो और किसानों के लिए केंद्र पर छाया, शुद्ध पेयजल तथा बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों की सुविधा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। गेहूं उपार्जन केंद्रों पर किसानों को अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है।

शहर के महोत्सव में झांकियां रहीं आकर्षण का केंद्र

श्रीजी कॉलोनी में चल रहा भव्य पंचकल्याणक महोत्सव

राजतिलक के दृश्य से श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

श्रीजी कॉलोनी में चल रहे भव्य पंचकल्याणक महोत्सव का चौथा दिन तप कल्याणक दिवस के रूप में अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।धर्म प्रभावना समिति के अध्यक्ष नरेंद्र जनता ने जानकारी देते हुए बताया की पूरे परिसर में दिव्यता और आध्यात्मिकता का अद्भुत वातावरण छाया रहा। दिन की मुख्य कार्यक्रम में महाराज नाभिराय का दिव्य दरबार, राज्याभिषेक, राजाओं द्वारा भेंट-समर्पण, तथा राजतिलक के अलौकिक दृश्य ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। इसके साथ ही नीलांजना नृत्य, लोकांतरिक देवों द्वारा स्तवन, दीक्षा समारोह, और वन-प्रस्थान की ऐतिहासिक झांकियों का मनमोहक आयोजन हुआ।

जानकारी के अनुसार कल्याणक के अंतर्गत आयोजित 48 संस्करण, संस्कार-रोपण, एवं अंक-न्यास की पौराणिक क्रियाओं ने वातावरण को और अधिक धर्ममय बना दिया। हजारों श्रद्धालुओं ने इन पावन झांकियों के दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस किया। श्रद्धालुओं का लगातार बढ़ता उत्साह इस महोत्सव को और भी भव्यता प्रदान कर रहा है। पट्टाचार्य आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज का प्रथम पट्टारोहण वर्ष बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही जैन समाज के विविध क्षेत्रों से श्रद्धालु एकत्रित हुए और पूरे परिसर में आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा। दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चली, जिसमें गुरुदेव के गुणानुवाद, भक्ति, मंगल पाठ एवं जिनेन्द्र भक्ति के स्वर गूंजते रहे। समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने बताया कि आचार्य श्री के सान्निध्य में पिछले एक वर्ष में समाज में आध्यात्मिक उन्नति, मर्यादा और संयम की प्रेरणाएँ निरंतर प्राप्त हो रही हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में माताएँ, बहनें, युवा एवं वरिष्ठ श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने आचार्य श्री के प्रति कृतज्ञता व श्रद्धा व्यक्त की।, जनता जी ने बताया कि यह दिवस समाज के लिए अत्यंत गौरवशाली और प्रेरणादायी रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में माताएँ, बहनें, युवा एवं वरिष्ठ श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने आचार्य श्री के प्रति कृतज्ञता व श्रद्धा व्यक्त की। पूरे परिसर में आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।

लापरवाही ठेकेदार कर्मचारी वसूल रहे मनमाफिक राशि

खरगापुर क्षेत्र की शराब दुकान पर नहीं लगाई दामों की सूची

नवभारत न्यूज, खरगापुर।

नगर की शराब दुकान इन दिनों अनियमितताओं और मनमानी का बड़ा केंद्र बन गई है। उपभोक्ताओं और स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यहां खुलेआम शासन के नियमों की अनदेखी करते हुए शराब दुगने दामों में बेची जा रही है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि दुकान के बाहर कहीं भी रेट सूची प्रदर्शित नहीं की गई है, जिससे ग्राहकों को सही कीमत की जानकारी नहीं मिल पाती और दुकानदार मनमर्जी से वसूली कर रहे हैं।

मामले को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कथित तौर पर शराब दुकान पर अधिक कीमत वसूली और अनियमितताओं को दिखाया गया है। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश और भी बढ़ गया है तथा प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब ग्राहक कीमत को लेकर सवाल करते हैं तो कर्मचारियों द्वारा टालमटोल या अभद्र व्यवहार किया जाता है। कई मामलों में ग्राहकों को बिल तक नहीं दिया जाता, जिससे अधिक वसूली का कोई ठोस प्रमाण नहीं बन पाता। यह स्थिति उपभोक्ता अधिकारों का खुला उल्लंघन मानी जा रही है। आबकारी विभाग के स्पष्ट नियमों के अनुसार मध्य प्रदेश में शराब दुकानों के खुलने और बंद होने का समय निर्धारित होता है। सामान्यतः दुकानें सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक ही संचालित की जा सकती हैं। लेकिन खरगापुर में यह दुकान नियमों को ताक पर रखकर सुबह 8 बजे ही खोल दी जाती है और देर रात करीब 12 बजे तक संचालित रहती है।

इससे क्षेत्र का माहौल बिगड़ रहा है और असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है। मध्य प्रदेश आबकारी विभाग द्वारा शराब दुकानों के संचालन को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए गए है । आबकारी विभाग के स्पष्ट नियमों के अनुसार मध्य प्रदेश में शराब दुकानों के खुलने और बंद होने का समय निर्धारित होता है। सामान्यतः दुकानें सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक ही संचालित की जा सकती हैं। लेकिन खरगापुर में यह दुकान नियमों को ताक पर रखकर सुबह 8 बजे ही खोल दी जाती है और देर रात करीब 12 बजे तक संचालित रहती है। इससे क्षेत्र का माहौल बिगड़ रहा है और असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है।

लोगों ने की कार्यवाही की मांग

लगातार नियमों के उल्लंघन के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी अब सवालों के घेरे में है। लोगों का आरोप है कि या तो प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है। नगरवासियों ने जिला प्रशासन और आबकारी विभाग से मांग की है कि शराब दुकान की तत्काल जांच कराई जाए, रेट सूची अनिवार्य रूप से लगवाई जाए, तय समय का सख्ती से पालन कराया जाए और अधिक कीमत वसूलने वाले जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

प्रस्फुटन समितियों की बैठक

नवभारत न्यूज,टीकमगढ़।

नवांकुर संस्था शाहपुर प्रस्फुटन समिति शाहपुर द्वारा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जल गंगा संवर्धन अभियान में उपस्थित सभी समितियां द्वारा ग्राम दिगौडा में बैठक का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जल शक्ति के नवभक्ति कार्यक्रम में सभी सदस्यों द्वारा एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक दिनेश उमरिया एवं जिला समन्वय डॉ. सुनील कटयार की उपस्थिति में किले की माता मंदिर में बैठक की गई एवं बाबरी की सफाई उपरांत कार्यक्रम के उपलक्ष में पृस्फुटन समितियां के अध्यक्ष सचिव एवं सदस्य उपस्थित रहे। जगत सिंह घ्महेश लोधी, सुजान सिंह घोष लुहरगुवां विक्रम सिंह घोष रूप सिंह घोष राजा साहू मुकेश घोष नंदकिशोर लोधी उपस्थित रहे।

सहकारिता विभाग पर लगे गंभीर आरोप

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

रिगौरा जलाशय में मछली पालन पट्टे को लेकर एक बड़ा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने सहकारिता और मत्स्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि जिस मत्स्योद्योग सहकारी समिति का पंजीयन वर्ष 2015 में ही निरस्त हो चुका था, उसी को 10 वर्षों तक जलाशय का पट्टा देकर आर्थिक लाभ लेने दिया गया। दस्तावेजों और शिकायतों से उजागर हो रहे इस प्रकरण ने प्रशासनिक लापरवाही, संभावित अनियमितता और जिम्मेदारी तय करने की जरूरत को केंद्र में ला दिया है।

मामले के अनुसार वर्ष 2014 में एक मत्स्योद्योग सहकारी समिति का पंजीयन किया गया। इस पंजीयन के खिलाफ तत्काल आपत्तियां दर्ज कराई गईं और शिकायत संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएं, सागर के समक्ष पहुंची। जांच के बाद 29 मई 2015 को संयुक्त पंजीयक द्वारा समिति का पंजीयन निरस्त कर दिया गया। इसके बावजूद चौंकाने वाली बात यह रही कि 25 जुलाई 2015 से उसी समिति को रिगौरा जलाशय का 10 वर्ष का पट्टा दे दिया गया, जिसकी अवधि 24 जुलाई 2025 तक चली। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संबंधित समिति का गठन ही फर्जी अनापत्ति प्रमाण-पत्र एनओसी के आधार पर किया गया था। यानी जिस आधार पर समिति को वैधता मिली, वही दस्तावेज संदिग्ध था। पंजीयन हुआ, बल्कि जलाशय का ठेका भी दे दिया गया। ट्रिब्यूनल में भी नहीं बचा पंजीयन, फिर भी जारी रहा पट्टा मामला आगे बढ़ते हुए भोपाल स्थित सहकारी ट्रिब्यूनल पहुंचा। ट्रिब्यूनल के 29 अप्रैल 2025 के आदेश में उल्लेख है कि अपीलकर्ता द्वारा पैरवी नहीं किए जाने के कारण अपील निरस्त कर दी गई।